बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

बाढ़ की स्थिति में
पशु प्रबंधन

- बाढ़ आने की स्थिति में पशु को रखने की व्यवस्था ऊँचे स्थान पर करना चाहिए जहाँ जल निकास की उचित व्यवस्था हो ताकि पशु परिसर साफ एवं सूखा रहे तथा गर्मी एवं नमी जनित रोगों से पशुओं को बचाया जा सकें।
- पशुशाला को साफ एवं स्वच्छ रखने के लिये समय–समय पर कीटनाशक का उपयोग करना चाहिए।
- पशु गृह को अत्यधिक नमी से बचाने के लिए पशुशाला में चूने का छिड़काव करना चाहिए।
- पशुओं को संतुलित आहार तथा साफ एवं ताजा पानी उपलब्ध कराना चाहिए। बाढ़ में डुबी घास एवं पहले का भींगा हुआ भूसा आदि न खाने दें।
- अतःपरजीवी एवं बाह्य परजीवी का प्रकोप इस समय काफी होता है। अतः इनसे बचाव हेतु सभी पशुओं में कृमिनाशक दवा का उपयोग अवश्य करें।
- बाढ़ के समय मृत पशुओं से कई प्रकार की बीमारियाँ फैलने की संभावना अधिक होती है, अतः मृत पशुओं का निस्तारण सावधानीपूर्वक करें।
- बीमार एवं घायल पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए एवं उपचार हेतु पशु चिकित्सक से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।
- संक्रामक रोगों से बचाव हेतु आवश्यक सावधानी बरतें।

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा जनहित में जारी।